मीन राशि

मीन राशि करुणा का प्रतीक है। यह जातक मध्यम देह, स्त्री राशि, ब्राह्मण जाति का है। इस राशि में उत्पन्न जातक बुद्धिमान, गम्भीर, उच्च अभिलाषी एवं स्वाभिमानी प्रकृति, मान-मर्यादा का ध्यान रखने वाले, प्रेम के क्षेत्र में सरल एवं भावुक रहते हैं। पिता के प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहता है। बाल्यावस्था में आपको संघर्ष करना पड़ता है, परन्तु युवावस्था के बाद भौतिक सुख-साधनों को अर्जित करके सुख-शान्ति पूर्वक पूर्ण समय व्यतीत होता है। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा होगी तथा समय-समय पर धार्मिक कार्य-कलापों एवं अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। मीन राशि का चिन्ह मुख-पूँछ मिली दो मछली है। आप यदि जल से निकली चीजों का व्यापार करेंगे तो लाभ होगा, जैसे- नमक, मोती, हीरे आदि। स्त्री के सम्पर्क से आका भाग्य उदय हो सकता है। ३० से ३२ वर्ष के बीच पुत्र प्राप्ति का योग बनता है।

मीन राशि के जातक चल-चित्र व्यवसाय कलाकार एवं खाने-पीने की वस्तुओं का व्यापार कर सकते हैं। मीन जातकों में घर पर आराम और शान्ति से बैठने की प्रवृत्ति होती है, जिससे उनमें आलस्यपन आ जाता है। इस राशि के जातक फेफड़े, ज्वर, वायु विकार आदि की बीमारियों से ग्रस्त रहते हैं।

राशि स्वामी गुरु वर्ष भर आपकी राशि से बारहवें भाव में गतिशील रहेंगे, जिससे धन लाभ अल्प ही रहेगा। धर्म-कर्म के कार्यों में व्यय होगा। गुप्त चिन्ताएं व व्यर्थ की दौड़-धूप लगी रहेगी। २ मई से गुरु के इस राशि पर आने से धन लाभ, धर्म में रुचि, गृह में शुभ कार्य होंगे। २६ मई से १४ सितम्बर तक मंगल की दृष्टि के कारण क्रोध एवं उत्तेजना अधिक रहेगी। गुप्त शत्रु हानि पहुँचाने की चेष्टा करेंगे। १ नवम्बर से गुरु मार्गी होने के बाद स्थितियों में सुधार आयेगा, उससे पहले ऋण लेने तक की स्थिति आ सकती है। नौकरी में स्थानान्तरण हो सकता है। भाग-दौड़ अधिक लाभ कम होगा। मई से नवम्बर तक परिवार के किसी सदस्य से विछोह हो सकता है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा ही रहेगा। किसी पुरानी बीमारी से मुक्ति मिल जायेगी। जीवन में व्यायाम, योग, अच्छा आहार-विहार अपनायेंगे तो लाभ मिलेगा। इस वर्ष में आपके पास धन नहीं रुकेगा और न ही किसी सम्पत्ति का क्रय ही कर पायेंगे। पारिवारिक सुख की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा है, परन्तु माता-पिता के स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा, समय-समय पर शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान रहेंगे। उनके लिए पति-पत्नी के सुख में भी अल्पता का आभास रहेगा। स्त्री के सुखों के लिए समय अच्छा नहीं है।

व्यापार और नौकरी वालों को इस वर्ष कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। राहु की दशम में स्थिति आपको व्यापार में उन्नति दिलायेगा। जो लोग राजनीति में हैं वे भी महत्वपूर्ण पद प्राप्त करेंगे। समाज में उनका मान-सम्मान होगा और उनका यश दूर-दूर तक फैलेगा। सम्बन्धी, मित्र इस वर्ष आपकी खूब चाटुकारित करेंगे, पर आपके दुःख के समय कोई नहीं आयेगा, सब सुख के समय ही आयेंगे। इस वर्ष मांगलिक कार्यों में भी धन व्यय होगा, मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय- निम्न उपाय करें-

1. प्रतिदिन गुरु गायत्री मन्त्र ''ॐ अंगिरो जाताय विद्महे वाचस्पतये धीमहि तन्नो गुरु प्रचोदयात्'' का १०८ बार जाप करके भगवान सूर्य को ''ॐ घृणि सूर्याय नमः'' मन्त्र पढ़कर अर्घ्य प्रदान करें।
2. पीपल में जल डालें, पिता एवं गुरु की सेवा करें।
3. नाक का पानी साफ रखने से भी बृहस्पति का प्रभाव ठीक रहता है।